अच्छा साहित्यिक परिचय कैसे लिखें?

gyansindhuclasses.com

गद्य–खंड

(1) डॉ0 वासुदेवशरण अग्रवाल

संक्षिप्त-परिचय

- **जन्म–** 7 अगस्त, 1904 ई०।
- **जन्म-स्थान–** मेरठ (उ०प्र०)।
- **उपाधि** - पीएच० डी०, डी० लिट्।
- **रचनाएँ–** पृथिवीपुत्र, भारत की एकता, कल्पवृक्ष, माताभूमि, वाग्धारा।
- **मृत्यु–** 27 जुलाई 1967 ई०।
- **प्रसिद्धि–** निबन्धकार, टीकाकार और साहित्यिक ग्रंथों के कुशल संपादक के रूप में ख्याति ।

जीवन–परिचयः–

- **जन्म–** 7 अगस्त, 1904 ई०।

- **जन्म-स्थान-** मेरठ (उ०प्र०)।
- **उपाधि** - पीएच० डी०, डी० लिट्।
- **रचनाएँ-** पृथिवीपुत्र, भारत की एकता, कल्पवृक्ष, माताभूमि, वाग्धारा।
- **मृत्यु-** 27 जुलाई 1967 ई०।
- **प्रसिद्धि-** निबन्धकार, टीकाकार और साहित्यिक ग्रंथों के कुशल संपादक के रूप में ख्याति।

साहित्यिक परिचयः-

- ✦ डॉ० अग्रवाल लखनऊ और मथुरा के पुरातत्व संग्रहालयों में निरीक्षक
- ✦ केंद्रीय पुरातत्व विभाग के संचालक
- ✦ राष्ट्रीय संग्रहालय दिल्ली के अध्यक्ष
- ✦ काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में इंडोलॉजी विभाग के अध्यक्ष
- ✦ मुख्य रूप से पुरातत्व को ही अपना विषय बनाया
- ✦ प्रागैतिहासिक वैदिक तथा पौराणिक साहित्य के मर्म का उद्घाटन किया
- ✦ वे अनुसंधाता, निबंधकार, संपादक के रूप में भी प्रतिष्ठित रहे।

www.gyansindhu.classes.com

प्रमुख रचनाएँः-

पृथिवीपुत्र, कला और संस्कृति, कल्पवृक्ष, भारत की मौलिक एकता, माताभूमि, वाग्धारा आदि। पाणिनिकालीन भारत।

(2) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

संक्षिप्त-परिचय

- **जन्म-** सन् 1907 ई०।
  - **जन्म-स्थान**- दुबे का छपरा (बलिया)।
  - **पिता-** अनमोल द्विवेदी।
  - **माता-** ज्योतिषमती।
  - **बचपन का नाम**- वैद्यनाथ द्विवेदी।
  - **मृत्यु-** 18 मई, सन् 1979 ई०।

www.gyansindhuclasses.com

जीवन-परिचयः-

- ☞ **जन्म-** सन् 1907 ई०।
- ☞ **जन्म-स्थान**- दुबे का छपरा (बलिया)।
- ☞ **पिता-** अनमोल द्विवेदी।
- ☞ **माता-** ज्योतिषमती।
- ☞ **बचपन का नाम**- वैद्यनाथ द्विवेदी।
- ☞ **मृत्यु-** 18 मई, सन् 1979 ई०।

साहित्यिक-परिचयः-

- इनकी प्रतिभा का विशेष विकास विश्वविख्यात संस्था शांतिनिकेतन में हुआ।
- यह 11 वर्ष तक हिंदी भवन के निदेशक के रूप में कार्य करते रहे।
- सन् 1949 ई० में लखनऊ विश्वविद्यालय ने इन्हें 'डी० लिट०' की उपाधि
- सन् 1957 ई० में भारत सरकार ने 'पद्म भूषण' की उपाधि से विभूषित किया।

- इन्होंने काशी हिंदू विश्वविद्यालय और पंजाब विश्वविद्यालय में हिंदी विभाग के अध्यक्ष पद पर कार्य किया
- उत्तर प्रदेश सरकार की 'हिंदी ग्रंथ अकादमी' के अध्यक्ष रहे।
- हिंदी 'साहित्य सम्मेलन प्रयाग' के सभापति रहे।
- उन्होंने विश्व भारती और अभिनव भारती ग्रंथमाला का संपादन किया।
- पद्मभूषण और मंगला प्रसाद पारितोषिक से सम्मानित किया गया है।

प्रमुख रचनाएँ:- अशोक के फूल, कुटज, विचार प्रवाह, विचार और वितर्क, आलोक पर्व, कल्पलता, कालिदास की लालित्य योजना, कबीर, साहित्य सहचर, साहित्य का मर्म, बाणभट्ट की आत्मकथा, पुनर्नवा और अनामदास का पोथा।

www.gyansindhuclasses.com

(3) प्रोफेसर जी0 सुंदर रेड्डी

संक्षिप्त-परिचय

- **जन्म**- सन् 1919 ई०।
- **जन्म-स्थान**- आंध्र प्रदेश।
- **कार्य-** आंध्र वि०वि० में हिन्दी विभाग के अध्यक्ष रहे।
- **प्रारम्भिक शिक्षा**- संस्कृत एवं तेलुगु से।
- **लेखन विधा**- हिन्दी और तेलुगु भाषा साहित्य।
- **शैली-** विवेचनात्मक, गवेषणात्मक, आलोचनात्मक।
- **प्रमुख रचनाएँ-** साहित्य और समाज, मेरे विचार, दक्षिण की भाषाएँ और उनका साहित्य आदि।
- **मृत्यु**- सन् 2005 ई०।

जीवन परिचयः-

- जन्म 1919 ई० में
- आंध्र प्रदेश के बेल्लूर जनपद के बत्तुलिपल्लि नामक ग्राम में
- प्रारंभिक शिक्षा संस्कृत एवं तेलुगु भाषा में हुई।
- सन् 2005 ई० में **मृत्यु** ।

साहित्यिक परिचयः-

- राष्ट्रवादी हिन्दी प्रचारक, प्रख्यात साहित्यकार एवं तुलनात्मक साहित्य के मूर्धन्य समीक्षक, श्रेष्ठ विचारक, समालोचक एवं निबन्धकार
- रेड्डी जी आंध्र प्रदेश विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर अध्ययन एवं अनुसंधान विभाग के अध्यक्ष भी रहे।
- इन के निर्देशन में हिंदी और तेलुगु : एक तुलनात्मक अध्ययन ग्रंथ पर शोध कार्य भी हुआ।
- दक्षिण भारतीयों के लिए हिन्दी और उत्तर भारतीयों के लिए दक्षिणी भाषाओं के अध्ययन की प्रेरणा दी है।
- इन्होंने हिन्दी भाषियों के लिए तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम साहित्य की रचना की है।
- अनेक निबन्ध हिन्दी, अँग्रेजी एवं तेलुगू पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित

www.gyanadhuclasses.com

प्रमुख रचनाएँः-

साहित्य और समाज, मेरे विचार, हिन्दी और तेलुगू : एक तुलनात्मक अध्ययन, वैचारिकी : शोध और बोध

(4) ए०पी०जे० अब्दुल कलाम

संक्षिप्त-परिचय

- **जन्म-** सन् 1931 ई०।
- **प्रसिद्धि-** मिसाइलमैन एवं जनता के राष्ट्रपति।
- **पिता-** जैनुलाब्दीन।
- **माता-** अशिअम्मा।
- **शिक्षा-** इंजीनियरिंग।
- **लेखन विधा-** काव्य, आत्मकथा, विज्ञान।
- **भाषा-** सरल, प्रवाहमय, बोधगम्य।
- **शैली-** चिन्तनपरक, आत्मकथात्मक।
- **प्रमुख रचनाएँ-** इग्नाटिड माइंड्स: अनलीशिंग द पावर विदिन इण्डिया, माय जर्नी आदि।
- **मृत्यु-** 27 जुलाई, सन् 2015 ई० ।

www.gyansindhuclasses.com

जीवन परिचय-

- पूरा नाम- अबुल पाकिर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम
- जन्म **15** अक्टूबर, **1931** को धनुषकोड़ी गाँव, रामेश्वरम, तमिलनाडु में
- आरम्भिक शिक्षा -रामेश्वरम में ही पंचायत प्राथमिक विद्यालय
- मद्रास इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से अन्तरिक्ष विज्ञान में स्नातक हावरक्राफ्ट परियोजना पर काम करने के लिए भारतीय रक्षा अनुसन्धान एवं विकास संस्थान में प्रवेश किया।
- वर्ष **1962** में भारतीय अन्तरिक्ष अनुसन्धान संगठन में आए।

- एस० एल० वी० के निर्माण में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। इसी कारण इन्हें मिसाइल मैन भी कहा गया।
- वर्ष **2002** से **2007** तक भारत के **राष्ट्रपति** पद पर आसीन रहे, जिसके पश्चात् इन्होंने विभिन्न विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में अध्यापन कार्य किया।
- शिलांग में **27** जुलाई, **2015** में इनका निधन हो गया।
- भारत सरकार द्वारा वर्ष **1981** में **पद्म भूषण**, वर्ष **1990** में **पद्म विभूषण** से तथा वर्ष **1997** में **भारत रत्न** पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

साहित्यिक सेवाएँ–

कलाम जी ने अपनी रचनाओं के द्वारा विद्यार्थियों व युवाओं को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया है। इन्होंने अपने विचारों को विभिन्न पुस्तकों में समाहित किया है।

www.gyansindhuclasses.com

कृतियाँ–

1. **इण्डिया 2020**
2. **ए विजन फॉर द न्यू मिलेनियम**
3. **माई जर्नी**
4. **इग्नाइटेड माइण्डस**
5. **विंग्स ऑफ फायर**
6. **भारत की आवाज**
7. **टर्निंग पॉइण्टेज**
8. **हम होंगे कामयाब इत्यादि**
9. **आरोहणः प्रमुख स्वामी जी के साथ मेरा आध्यात्मिक सफर**

काव्य–खंड

(1) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

संक्षिप्त-परिचय

- **जन्म**- 15 अप्रैल, सन् 1865 ई०।
- **जन्म- स्थान**- निजामाबाद (आजमगढ़) ।
- **पिता**- भोलासिंह उपाध्याय।
- **माता**- रुक्मिणी देवी ।
- **शिक्षा**- स्वाध्याय से विभिन्न भाषाओं का ज्ञान ।
- **भाषा-शैली**- ब्रजभाषा एवं खड़ी बोली, प्रबन्ध एवं मुक्तक शैली।
- **प्रमुख रचनाएँ**- प्रिय प्रवास, चोखे चौपदे, चुभते चौपदे, वैदेही-वनवास, पारिजात, रसकलश।
- **मृत्यु**- 6 मार्च, सन् 1947 ई०।

www.gyansinghclasses.com

जीवन-परिचयः-

साहित्यिक-परिचयः-

- गद्य और पद्य दोनों ही क्षेत्रों में हिंदी माता की सेवा की।
- उनका 'प्रियप्रवास' महाकाव्य अपनी काव्यगत विशेषताओं के कारण हिंदी महाकाव्यों में 'माइलस्टोन' माना जाता है।
- 'निराला' के शब्दों में -"इनकी यह एक सबसे बड़ी विशेषता है कि ये हिंदी के सार्वभौम कवि हैं। खड़ी बोली, उर्दू के मुहावरे, ब्रजभाषा, कठिन सरल सब प्रकार की कविता की रचना कर सकते हैं।"
- **प्रियप्रवास** 'मंगलाप्रसाद पुरस्कार' प्राप्त हरिऔध जी का सबसे प्रसिद्ध और महत्वपूर्ण ग्रंथ है।

कृतियाँ- **प्रियप्रवास,** कवि सम्राट, वैदेही वनवास, पारिजात, रसकलश, चुभते चौपदे, चौखे चौपदे, ठेठ हिंदी का ठाठ, अधखिला फूल, रुक्मिणी परिणय।

(2) मैथिलीशरण गुप्त

संक्षिप्त-परिचय

- **जन्म**- **3** अगस्त, सन् **1886** ई०।
- **जन्म-स्थान**- चिरगाँव (झाँसी)।
- **पिता**- सेठ रामचरण गुप्त।
- **मुख्य रचनाएँ** - भारत-भारती, साकेत, यशोधरा, द्वापर, पंचवटी, जयद्रथ-वध, झंकार, सिद्धराज, कुणाल गीत, अनघ।
- **शिक्षा**- घर पर ही।
- **भाषा-शैली**- खड़ी बोली, सरल, सुसंगठित, प्रसाद तथा ओजगुण से युक्त। उपदेशात्मक, प्रबन्धात्मक, नीतिपरक व विवरणात्मक शैली।
- **मृत्यु**- **12** दिसम्बर, सन् **1964** ई०।

www.gyansindhuclasses.com

जीवन-परिचयः-

साहित्यिक परिचयः-

- मैथिलीशरण गुप्त के गुरु आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी
- इनकी कविता में राष्ट्रभक्ति एवं राष्ट्रप्रेम का स्वर प्रमुख रूप से मुखरित हुआ है।
- हिन्दी-साहित्य के तत्कालीन विद्वानों ने इन्हें **'राष्ट्रकवि'** की उपाधि से विभूषित किया।
- गुप्तजी की प्रारम्भिक रचनाएँ कलकत्ता (कोलकाता) से प्रकाशित होनेवाली पत्रिका **'वैश्योपकारक'** में प्रकाशित होती थीं।
- आचार्य द्विवेदी से सम्पर्क होने के पश्चात् मैथिलीशरण गुप्त की रचनाएँ 'सरस्वती' पत्रिका में प्रकाशित होने लगीं
- प्रथम पुस्तक 'रंग में भंग' का प्रकाशन सन् 1909 ई में हुआ;

➢सन् 1912 ई० में 'भारत-भारती'
➢इसी पुस्तक ने इन्हें 'राष्ट्रकवि' के रूप में विख्यात किया।
➢प्रबन्ध-काव्य की रचना में सिद्धहस्त थे।
➢द्विवेदी युग के सबसे अधिक लोकप्रिय कवि

कृतियाँः- **भारत-भारती, साकेत, यशोधरा, प्लासी का युद्ध, मेघनाद-वध, वृत्र-संहार।**

(3) जयशंकर प्रसाद

संक्षिप्त-परिचय

www.gyansindhuclasses.com

- **जन्म-** सन् **1889** ई० में।
- **जन्म-स्थान-** उत्तर प्रदेश राज्य के काशी में।
- **पिता का नाम-** श्री देवी प्रसाद
- **भाषा-शैली**- भाषा शुद्ध, सरस, साहित्यिक एवं संस्कृतनिष्ठ खड़ीबोली है। वर्णनात्मक, भावात्मक, आलंकारिक, चित्रात्मक शैलीं।
- **मुख्य रचनाएँ-** कामायनी, झरना, लहर, आँसू, महाराणा का महत्त्व, छाया, इन्द्रजाल, आकाशदीप।
- **मृत्यु- 15** नवंबर, **1937** ई० में

जीवन परिचयः-

➢जन्म काशी के 'सुंघनी साहू' नाम से प्रसिद्ध वैश्य परिवार में 30 जनवरी, 1889 ई० को हुआ था। पिता जी का नाम देवी प्रसाद था। ब
➢माता-पिता की मृत्यु हो गयी।
➢बड़े भाई शम्भूनाथ जी भी चल बसे।
➢तीन शादियां कीं, किन्तु तीनों ही पत्नियों की असमय मृत्यु

- छोटे भाई की मृत्यु हो गयी। इन सभी असामयिक मौतों से यह अन्दर-ही-अन्दर टूट गये।
- क्षय रोग से पीड़ित होने के कारण 15 नवम्बर, 1937 ई० को 47 वर्ष की आयु में इनका निधन हो गया।

साहित्यिक परिचयः-

- काव्य में सौन्दर्य एवं प्रेम के साथ मानवतावादी दृष्टिकोण है।
- प्रसाद जी ने कुल रचनाओं से हिन्दी साहित्य में एक युग प्रसाद युग की सृष्टि की
- रचना 'चित्राधार' में प्रकृति की रमणीयता एवं सौंदर्य के दर्शन होते हैं।
- **'प्रेमपथिक'** में मानव सौन्दर्य के प्रति जिज्ञासा का भाव व्यक्त हुआ है।
- **'आँसू'** एक **विरह काव्य** है तथा **'कामायनी'** में प्रसाद की सिद्धावस्था एवं आध्यात्मिकता का पूर्ण परिपाक हुआ है।

www.gyansindhuclasses.com

कृतियाँः-

नाटक- चन्द्रगुप्त, स्कन्दगुप्त, अजातशत्रु, ध्रुवस्वामिनी, विशाख, राज्यश्री, कामना, कामायनी (महाकाव्य), झरना, लहर, आँसू, महाराणा का महत्त्व, कानन कुसुम, कंकाल, तितली, इरावती (अपूर्ण)।'काव्य कला और अन्य निबन्ध हैं।

(4) सुमित्रानन्दन पन्त

संक्षिप्त-परिचय

- **जन्म-** सन् 1900 ई० ।
- **जन्म-स्थान**- कौसानी (कुमायूँ) ।
- **पूर्व-नाम**- गुसाईं दत्त ।
- **पिता-** गंगादत्त पन्त ।
- **संपादन-** रूपाभ का ।
- **भाषा-शैली**- संस्कृतनिष्ठ खड़ी बोली। छायावादी काव्य-शैली।
- **प्रमुख रचनाएँ-** वीणा, पल्लव, युगवाणी, लोकायतन, चिदम्बरा, स्वर्ण किरण, उत्तरा, अतिमा।

www.gyansindhuclasses.com

जीवन-परिचयः-

साहित्यिक परिचयः-

- प्रथम कविता गिरजे का घंटा सन् 1916 ई० में प्रकाशित
- **'उच्छवास'** एवं **'ग्रन्थि'** सन् 1920 में प्रकाशित
- साथ ही सन् 1927 ई० में **'वीणा'** 1928 ई० में **'पल्लव'** नामक कविता संग्रह प्रकाशित हुए।
- कुछ दिन कालाकांकर में ठहरे।
- पुनः प्रयाग आकर **'रूपाभ'** नामक पत्रिका का संपादन कार्य संभाला।

- अरविन्द घोष जी से मुलाकात के बाद पंत जी **अरविंद दर्शन** की ओर उन्मुख हुए और अपनी रचनाओं में अरविन्द दर्शन को पिरोया।
- **'कला और बूढ़ा चाँद'** पर **साहित्य अकादमी पुरस्कार,**
- **'लोकायतन'** पर **सोवियत लैंड नेहरू**
- **'चिदम्बरा'** नामक कृति पर **ज्ञानपीठ पुरस्कार** प्राप्त किया।

रचनाएँ:- **लोकायतन, वीणा, पल्लव, गुंजन, ग्रन्थि,** स्वर्णधूलि, स्वर्णकिरण, उत्तरा, युगपथ, अतिमा, युगान्त, युगवाणी, ग्राम्या आदि।

(5) महादेवी वर्मा

www.gyandhuclasses.com

संक्षिप्त परिचय

- **जन्म**- सन् 1907 ई०
- **जन्म स्थान**- फर्रूखाबाद (उत्तर प्रदेश)
- **पिता का नाम**- श्री गोबिन्दसहाय वर्मा
- **माता का नाम**- श्रीमती हेमरानी
- **कृतियाँ**- नीहार, रश्मि, नीरजा, सान्ध्य-गीत, दीपशिखा।
- **भाषा**-खड़ी बोली व ब्रज भाषा।
- **शैली**- मुक्तक, चित्र, प्रगीत।
- **मृत्यु-** 11 सितम्बर, 1987 ई०।

जीवन परिचय:-

साहित्यक परिचय:-

- **छायावादी कवियों की वृहत् चतुष्टयी** में आती हैं।
- इनके काव्य में वेदना की प्रधानता है।

- इन्होने प्रयाग में **'साहित्यकार संसद'** की स्थापना करके साहित्यकारों का मार्गदर्शन भी किया।
- **'चाँद'** पत्रिका का सम्पादन किया और नारी को अपनी स्वतन्त्रता और अधिकारों के प्रति सजग किया है।
- कुछ वर्षो तक ये उत्तर प्रदेश विधान-परिषद् की मनोनीत सदस्या भी रहीं।
- भारत के राष्ट्रपति से इन्होने **'पद्मभूषण'** की उपधि प्राप्त की।
- हिन्दी साहित्य सम्मेलन की ओर से इन्हें **'सेकसरिया पुरस्कार'** तथा **'मंगलाप्रसाद पारितोषिक'** मिला।
- मई, **1983** ई० में **'भारत-भारती'** तथा नवम्बर **1983** ई० में यामा पर **'ज्ञानपीठ पुरस्कार'** से इन्हें सम्मानित किया गया।

रचनाएँ:-

www.gyansindhuclasses.com

- **नीहार, रश्मि, नीरजा, साध्यगीत,**
- **दीपशिखा, यामा, सन्धिनी,**
- **आधुनिक कवि,**
- **सप्तपर्णा**
- **अतीत के चलचित्र**
- **स्मृति की रेखाएँ**
- **श्रृंखला की कड़ियाँ**

आदि इनकी प्रमुख रचनाएँ हैं।

(6) रामधारी सिंह 'दिनकर'

संक्षिप्त-परिचय

- **जन्म-** 30 सितम्बर, **1908** ई० ।
- **जन्म-स्थान**- सिमरिया (मुँगेर), बिहार ।
- **पिता-** रविसिंह ।
- **भाषा-शैली-** परिष्कृत खड़ीबोली, प्रबन्ध और मुक्तक शैली।
- **प्रमुख रचनाएँ-** उर्वशी, कुरुक्षेत्र, सामधेनी, रेणुका, परशुराम की प्रतीक्षा, मिट्टी की ओर, अर्द्धनारीश्वर, रेती के फूल, उजली आग।
- **मृत्यु- 24** अप्रैल, **1974** ई०।

www.gyansindhuclasses.com

साहित्यिक परिचयः-

- राष्ट्रीय कवि रामधारी सिंह 'दिनकर' का जन्म **सन् 1908 ई०** में **बिहार के मुंगेर जिले के सिमरिया घाट** नामक ग्राम में हुआ था, इनके पिता का नाम रविसिंह एवं माता का नाम श्रीमती मनरूप देवी था। बाल्यावस्था में ही इनकी काव्य प्रतिभा का परिचय हो गया था।
- मिडिल कक्षा में पढ़ते हुए **'वीरबाला'** नामक काव्य की रचना कर ली थी।
- मैट्रिक में पढ़ते समय इनका **'प्रणभंग'** नामक काव्य प्रकाशित हो गया था।
- दिनकर जी मोकामा घाट हाईस्कूल में एक वर्ष तक प्राचार्य रहे।
- कुछ समय पश्चात् **मुजफ्फरपुर कॉलेज** में **हिन्दी विभागाध्यक्ष** नियुक्त हुए।
- सन् **1952** में इन्हें **राज्यसभा का सदस्य** मनोनीत किया गया, जहाँ ये सन् **1962** तक रहे।
- सन् **1963** में भागलपुर विश्वविद्यालय के **कुलपति** नियुक्त किए गए।

- भारत सरकार की हिन्दी-समिति के सलाहकार और **आकाशवाणी** के **निदेशक** के रूप में भी कार्य किया,
- सन् **1959** में **'पद्मविभूषण'** पुरस्कार की उपाधि से अलंकृत किया गया।
- दिनकर जी **'साहित्य अकादमी पुरस्कार'** और **'ज्ञानपीठ पुरस्कार'** से भी सम्मानित किए गए।

कृतियाँ/रचनाएँ:- मिट्टी की ओर, अर्द्धनारीश्वर, रेती के फूल, उजली आग, संस्कृति के चार अध्याय, भारतीय संस्कृति की एकता, शुद्ध कविता की खोज, रेणुका, हुँकार, सामधेनी, रसवन्ती, कुरुक्षेत्र, रश्मिरथी, उर्वशी, परशुराम की प्रतीक्षा।

www.gyansindhuclasses.com